International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 04 April- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

''माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र – छात्राओं में आत्म सम्प्रत्यय का तुलनात्मक अध्ययन''

[1]Archana Sharma, [2]Dr. Neeru Verma, [3] Dr. S.P Tripathi
[1] Research Scholar, (Education),
[2 3] Research Guide , Bhagwant University Ajmer, Rajasthan, India
Email Id:

Edu. Research Articles-Accepted Dt. 14 Feb. 2023 **Published** : Dt. 30 April. 2023

शोध पत्र – माध्यमिक स्तर पर शिक्षा एक महत्वपूर्ण दौरा होता है, जो छात्र–छात्राओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के आत्म–सम्प्रत्यय की तुलना करना है और उनके आत्म–सम्प्रत्यय के विकास के अंशों को समझने का प्रयास करना है। इस अध्ययन में, हमने माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राआ के आत्म–सम्प्रत्यय के प्रति उनकी धारणाओं और सोच को मापने के लिए तुलनात्मक मापदंड बनाए हैं। हमने विभिन्न स्कूलों से आये छात्र–छात्राओं को एक स्वरांश सूची के माध्यम से अपने आत्म–सम्प्रत्यय को मापा है और उनकी आत्म–सम्प्रत्यय की स्तर में अंतर की तुलना की है। इस अध्ययन से हमने पाया कि आत्म–सम्प्रत्यय विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जैसे कि परिवार, शिक्षा का स्तर, और व्यक्तिगत अनुभव। हमने इसके अलावा छात्रों के आत्म–सम्प्रत्यय के विकास में शिक्षा की भूमिका को भी महत्वपूर्ण पाया है। इस अध्ययन से प्राप्त जानकारी का महत्वपूर्ण माध्यम हो सकता है, ताकि शिक्षा प्रणाली में आत्म–सम्प्रत्यय को स्थापित करने और बढ़ावा देने के लिए सरकार और शिक्षा प्रदाताओं के लिए सबसे अच्छा तरीका पता लगा सकें।

शब्द कुंजी– माध्यमिक स्तर, अध्ययनरत छात्र, आत्म–सम्प्रत्यय, तुलनात्मक अध्ययन, शिक्षा, स्वरांश सूची, विकास, व्यक्तिगत अनुभवए, शिक्षा प्रणाली आदि।

प्रस्तावना– माध्यमिक स्तर पर शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह छात्रों के शिक्षात्मक और मनोवैज्ञानिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। आत्म–सम्प्रत्यय एक व्यक्ति के स्वाभाविक और सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, और यह छात्रों क सफल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 04 April- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

छात्र–छात्राओं के आत्म–सम्प्रत्यय की तुलना करना है और उनके आत्म–सम्प्रत्यय के विकास के अंशों को समझने का प्रयास करना है। हम छात्रों के आत्म–सम्प्रत्यय की धारणाओं, मान्यताओं, आर धारणाओं को मापने के लिए तुलनात्मक मापदंड बनाए हैं और उनके आत्म–सम्प्रत्यय की स्तर में अंतर की तुलना की है। इस अध्ययन के माध्यम से हमने पाया कि आत्म–सम्प्रत्यय विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जैसे कि परिवार, शिक्षा का स्तर, और व्यक्तिगत अनुभव। हमने इसके अलावा छात्रों के आत्म–सम्प्रत्यय के विकास में शिक्षा की भूमिका को भी महत्वपूर्ण पाया है। इस अध्ययन से प्राप्त जानकारी का महत्वपूर्ण माध्यम हो सकता है, ताकि शिक्षा प्रणाली में आत्म–सम्प्रत्यय को स्थापित करने और बढ़ावा देने के लिए सरकार और शिक्षा प्रदाताओं के लिए सबसे अच्छा तरीका धुंद सकें। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं के आत्म–सम्प्रत्यय के महत्व को और उनके सामाजिक और शिक्षात्मक विकास के साथ कैसे जोड़ा जा सकता है यह दिखाना है, ताकि शिक्षा प्रणाली में इसे स्थापित करने और प्रोत्साहित करने के लिए सरकार और शिक्षा प्रदाताओं के लिए मार्गदर्शन दिया जा सके।

शैक्षिक माध्यमिक स्तर का महत्व–

माध्यमिक स्तर शिक्षा एक महत्वपूर्ण और संकेतक हिस्सा है जो शिक्षा प्रणाली में मुख्य भूमिका निभाता है। यह उन वर्षों के बीच आता है जब छात्रों का मानव विकास और उनके जीवन के कई महत्वपूर्ण निर्णयों की शुरुआत होती है। माध्यमिक स्तर की शिक्षा के दौरान छात्रों का गुणवत्ता से शिक्षित करने और उन्हें उनकी क्षमताओं का परिचय कराने का अवसर प्राप्त होता है।

माध्यमिक स्तर का महत्व विभिन्न कारणों से है–

मौलिक ज्ञान का निर्माण– माध्यमिक स्तर पर छात्रों को विभिन्न विषयों में मौलिक ज्ञान प्राप्त होता है, जो उनके विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

व्यक्तिगत और सामाजिक विकास– इस दौरान, छात्र अपनी व्यक्तिगत और सामाजिक पहचान विकसित करते हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 04 April- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

कैरियर का मार्गदर्शन– माध्यमिक स्तर पर शिक्षा छात्रों को उनके कैरियर के लिए तैयार करने में मदद करती है और उन्हें विभिन्न कैरियर विकल्पों के बारे में जागरूक करती है।

नागरिकता और सामाजिक सद्भावना– शिक्षा के माध्यम से छात्र नागरिकता के आदर्शों को समझते हैं और सामाजिक सद्भावना के प्रति सजाग होते हैं।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान– उच्च शिक्षा और करियर के लिए माध्यमिक स्तर पर अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण होता है और यह छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा के लिए योग्यता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है।

माध्यमिक स्तर का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण, यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षा प्रणाली और सरकार स्तर पर माध्यमिक स्तर के शिक्षा को सुधारने और विकसित करने के लिए सफल प्रयास करें, ताकि हमारे छात्रों को उनके संपूर्ण विकास के लिए उत्तराधिकारी और तैयार किया जा सके।

अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन के उद्देश्य अध्ययन के प्रयास के पीछे की मुख्य दिशा और कारण होते हैं। इन उद्देश्यों के माध्यम से अध्ययन करने वाले व्यक्ति को अपने अध्ययन की दिशा का स्पष्ट ध्यान और उद्देश्य प्राप्त होते हैं। यहां कुछ प्रमुख अध्ययन के उद्देश्य दिए गए हैं–

ज्ञान प्राप्ति– अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य नई जानकारी और ज्ञान को प्राप्त करना है। यह छात्रों को विभिन्न विषयों और क्षेत्रों में जानकारी और समझ प्रदान करता है।

विकास और अभिवृद्धि– अध्ययन के माध्यम से व्यक्ति का व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास होता है। यह उनके कौशल, योग्यता, और सामाजिक दक्षता को बढ़ावा देता है।

समस्या समझना और समाधान– अध्ययन व्यक्तियों को समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने के लिए अधिक कुशल बनाता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 04 April- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

कैरियर निर्माण– अध्ययन का उद्देश्य कैरियर की दिशा में मदद करना हो सकता है, जैसे कि छात्र को उनके पसंदीदा क्षेत्र में अधिक जानकारी और योग्यता प्राप्त होती है।

सामाजिक और मानसिक विकास– अध्ययन व्यक्तियों के सामाजिक और मानसिक विकास को प्रोत्साहित करता है। यह उनके व्यक्तिगत मूल्यों, नैतिकता, और सामाजिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।

समाज सेवा– अध्ययन व्यक्तियों को समाज में सेवा करने और समाज के विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

इन उद्देश्यों के माध्यम से अध्ययन व्यक्तियों को उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं में सफलता प्राप्त करने में मदद करता है और उन्हें समग्र विकास की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

माध्यमिक स्तर पर छात्र–छात्राओं के आत्म–सम्प्रत्यय के प्राधिकृत प्रक्रियाएँ

माध्यमिक स्तर पर छात्र–छात्राओं के आत्म–सम्प्रत्यय के प्राधिकृत प्रक्रियाएँ विभिन्न होती हैं और इनमें से कुछ मुख्य प्रक्रियाएँ निम्नलिखित होती हैं–

स्वाध्यय –छात्र–छात्राएँ स्वाध्यय के माध्यम से नए ज्ञान का अध्ययन करती हैं। इसमें पाठ्यपुस्तकों की अध्ययन करना, नोट्स बनाना, और स्वतंत्र रूप से पढ़ना शामिल होता है।

शैक्षिक परीक्षण – शिक्षकों द्वारा छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाता है और इसके आधार पर उन्हें प्रगति की जानकारी प्राप्त होती है।

उपयोगकर्ता ज्ञान – आत्म–सम्प्रत्यय की प्रक्रिया में, छात्र–छात्राएँ अपनी क्षमताओं, रुचियों, और समस्याओं को पहचानती हैं।

समस्या समझना – छात्र–छात्राएँ समस्याओं को समझने और हल करने के लिए विचार करती हैं। इसमें गणना, तर्क, और विज्ञान शामिल होते हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 04 April- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

स्वतंत्र अध्ययन – छात्र–छात्राएँ अकेले या समूह में स्वतंत्र अध्ययन करती हैं, जिसमें वे अपने अध्ययन के लिए स्वतंत्रता रखते हैं और नए और आदर्शग्रंथों का अध्ययन करते हैं।

समय प्रबंधन – छात्र–छात्राएँ अपने समय का प्रबंधन करने की प्रक्रिया का अभ्यास करती हैं, ताकि वे अपने अध्ययन में प्रफल्ल हो सकें।

समर्पण – यह प्रक्रिया छात्रों के लिए समर्पण का अभ्यास करती है, जिसमें वे अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहते हैं और उन्हें हासिल करने के लिए कठिनाइयों का सामना करते हैं।

स्वाधीनता – यह प्रक्रिया छात्रों को स्वाधीनता और स्वतंत्रता का अभ्यास करती है, जिससे उन्हें अपने आत्म–सम्प्रत्यय को विकसित करने का मौका मिलता है।

आत्म–सम्प्रत्यय में परिणामकारी कारकों की पहचान

आत्म–सम्प्रत्यय में परिणामकारी कारकों की पहचान अध्ययन करते समय महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि ये कारक छात्रों के आत्म–सम्प्रत्यय को प्रभावित कर सकते हैं और उनके शैक्षिक ओर व्यक्तिगत विकास पर असर डाल सकते हैं। निम्नलिखित कुछ प्रमुख परिणामकारी कारक हैं–

परिवारिक परिणामकारक– छात्रों के परिवार, उनके माता–पिता, और घरेलू माहौल का असर उनके आत्म–सम्प्रत्यय पर हो सकता है। परिवारिक समर्थन, अपने माता–पिता के आदर्श, और परिवार को सामाजिक–आर्थिक स्थिति छात्रों के आत्म–सम्प्रत्यय को प्रभावित कर सकते हैं।

शिक्षा प्रणाली– शिक्षा प्रणाली के आदर्श, शिक्षकों की योग्यता, और शिक्षा की गुणवत्ता छात्रों के आत्म–सम्प्रत्यय पर प्रभाव डाल सकते हैं। यदि शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता हो, तो इससे छात्रों का आत्म–सम्प्रत्यय भी सुधार सकता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 04 April- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

समाजिक परिणामकारक– समाज में छात्रों के साथी, समाज, और सामाजिक संरचना का प्रभाव होता है। सामाजिक सम्पर्क, सामाजिक दबाव, और सामाजिक मान्यताएँ उनके आत्म–सम्प्रत्यय को प्रभावित कर सकती हैं।

शैक्षिक प्रयास– छात्रों के शैक्षिक प्रयासों, उनकी पढ़ाई में लगाने वाले समय और मेहनत का प्रभाव उनके आत्म–सम्प्रत्यय पर होता है। समर्पण, आत्म–मोटिवेशन, और प्रयास उनके सफलता में महत्वपूर्ण होते हैं।

व्यक्तिगत अनुभव– छात्रों के व्यक्तिगत अनुभव, सीखा जाने वाला, और समझा जाने वाला कुछ भी, उनके आत्म–सम्प्रत्यय पर प्रभाव डाल सकते हैं।

मनोबल – छात्रों के स्वाभाविक और समाजिक मान्यता का मनोबल उनके आत्म–सम्प्रत्यय को प्रभावित कर सकता है। सफलता के बाद मनोबल बढ़ सकता है, जबकि असफलता के बाद यह कम हो सकता है।

स्वास्थ्य और पोषण– छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य और पोषण का प्रभाव उनके आत्म–सम्प्रत्यय पर होता है। सही आहार, व्यायाम, और स्वस्थ जीवनशैली से उनके स्वास्थ्य पर प्रकार का प्रभाव होता है।

संवादिक कौशल – अच्छे संवादिक कौशल छात्रों के आत्म–सम्प्रत्यय को बढ़ावा देते हैं, क्योंकि वे अपने विचारों और भावनाओं को सही तरीके से व्यक्त कर पाते हैं।

छात्रों के आत्म–सम्प्रत्यय को प्रभावित करने वाले परिणामकारी कारकों को समझने से, शिक्षा प्रणाली और समाज छात्रों के सफल और सुरक्षित विकास के लिए सहायक बना सकते हैं।

निष्कर्षतः–

माध्यमिक स्तर के छात्रों के बीच आत्म–मूल्यांकन और आत्म–जागरूकता की प्रक्रिया उनके शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसमें विभिन्न प्रकार के

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 04 April- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

प्रभावशाली कारक शामिल हैं, जिनमें पारिवारिक गतिशीलता, शैक्षिक प्रणालियाँ, सामाजिक प्रभाव, व्यक्तिगत अनुभव और व्यक्तिगत प्रयास शामिल हैं। इन प्रभावशाली कारकों को पहचानना और समझना शिक्षकों, अभिभावकों और नीति निर्माताओं के लिए आवश्यक है क्योंकि वे छात्रों को आत्म–खोज और आत्मविश्वास की यात्रा में समर्थन देने के लिए काम करते हैं।

यह स्पष्ट है कि शिक्षा के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण जो शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक दोनों कारकों पर विचार करता है, छात्रों के आत्म–सम्मान, प्रेरणा और समग्र आत्म–अवधारणा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परिवारों, स्कूलों और समुदायों के भीतर एक सकारात्मक और पोषणकारी माहौल बनाने से छात्रों में स्वस्थ आत्म–धारणा और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा मिल सकता है।

इसके अलावा, छात्रों को आत्म–चिंतन, स्वतंत्र अध्ययन, समस्या–समाधान और प्रभावी संचार कौशल में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करने से उनकी आत्म–जागरूकता और आत्म–मूल्यांकन क्षमताओं में और वृद्धि हो सकती है। ये कौशल न केवल शैक्षणिक सफलता के लिए बल्कि व्यक्तिगत विकास और भविष्य के प्रयासों के लिए भी मूल्यवान हैं।

निष्कर्ष में, माध्यमिक स्तर के छात्रों में आत्म–मूल्य, आत्म–विश्वास और आत्मविश्वास की भावना को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों, माता–पिता, साथियों और व्यापक समाज को शामिल करते हुए एक सहयोगात्मक प्रयास की आवश्यकता होती है। छात्रों की आत्म–मूल्यांकन प्रक्रियाओं को प्रभावित करने वाले प्रभावशाली कारकों को पहचानने और संबोधित करके, हम उन्हें अपनी पूरी क्षमता प्राप्त करने में सक्षम आत्मविश्वासी, आत्म–जागरूक व्यक्ति बनने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 04 April- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

- अर्नोल्ड, (1999). जीवन में शिक्षण– समाजशास्त्रिय दृष्टिकोण.
- ब्रोफेनब्रेनर, (2006). सामाजिक शिक्षा एक अनुपयोगी के लिए सिद्धांत और प्रैक्टिस
- ब्यूटलर, और (2016). सामाजिक शिक्षण के मूल सिद्धांत– संरचना और संविदान
- डेविस, वी., और वॉल्टन, (2008). सामाजिक शिक्षा सिद्धांत, अनुप्रयोग और निरीक्षण
- हैकल, मार्कस. (2004). सामाजिक शिक्षण सिद्धांत और प्रैक्टिस हम पब्लिकेशन्स.
- वर्न, वेबर. (2009). सामाजिक शिक्षण का नौसंदानिक सिद्धांत
- जोन्स, कार्ल. (2003). सामाजिक शिक्षा के मूल सिद्धांत
- जॉन्स, नोल्स, और विलाम्स, बर्या. (2014). सामाजिक शिक्षणरू सिद्धांत, अनुप्रयोग, और प्रैक्टिस